http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 131

प्रयागराज रविवार 26 जनवरी 2025

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

बीजेपी का संकल्प पत्र पार्ट–3 जारी

● अमित शाह का केजरीवाल पर निशाना, कहा– मासूम सा चेहरा लेकर झूठ बोलने आ जाते हैं

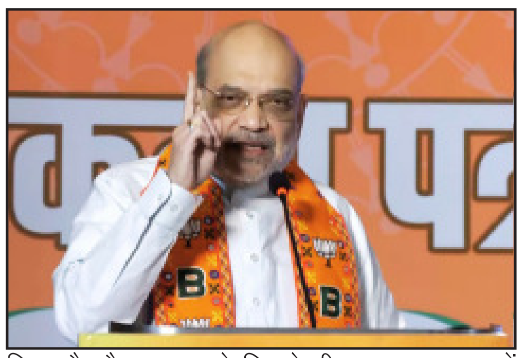

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। अमित शाह ने कहा कि 2014 से नरेन्द्र मोदी जी ने देश के अंदर politics of performance को स्थापित किया है और भाजपा ने जितने भी चुनाव आए, उनमें जो वादे किए थे उन्हें पूरा करने का गंभीरता से प्रयास किया है। इसलिए दिल्ली प्रदेश भाजपा ने महिलाओं, युवाओं, जेजे कलस्टर के निवासियों, असंगठित मजदूरों, मध्यम आय वर्ग, व्यापारियों, पेशेवरों के साथ नीचे तक जाकर सुझाव प्राप्त करने का काम किया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र नई दिल्ली में जारी किया गया। अमित शाह ने कहा कि आज दिल्ली 2025 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र का अंतिम हिस्सा जारी करने के लिए मैं आप सबके सामने उपस्थित हुआ हूं। जैसे कि भाजपा की परंपरा है, हम चुनाव को बहुत गंभीरता से लेते हैं, चुनाव को जनसंपर्क का माध्यम भी मानते हैं। और चुनावों के माध्यम से बनने वाली सरकारों के नीति निर्धारण को निश्चित करने के लिए हम जनता के बीच जाकर चुनाव में भाजपा से उनकी क्या अपेक्षा है, ये जानकारी भी एकत्र करते हैं। भाजपा के लिए संकल्प पत्र विश्वास का सवाल होता है और करने वाले कामों की सूची होता है। ये कोरे वादे नहीं होते हैं। अमित शाह ने कहा कि 2014 से नरेन्द्र मोदी जी ने देश के अंदर politics of performance को स्थापित किया है और भाजपा ने जितने भी चुनाव आए, उनमें जो वादे किए थे उन्हें पूरा करने का गंभीरता से प्रयास किया है। इसलिए दिल्ली प्रदेश भाजपा ने महिलाओं, युवाओं, जेजे कलस्टर के निवासियों, असंगठित मजदूरों, मध्यम आय वर्ग, व्यापारियों, पेशेवरों के साथ नीचे तक जाकर सुझाव प्राप्त करने का काम किया है। अलग–अलग प्रकार के 1 लाख 8 हजार लोगों ने अपने सुझाव दिए हैं। 62 प्रकार की अलग–अलग समूहों की बैठक की गई और 41 स्म्क वैन के माध्यम से हमने सुझाव मांगे। अमित शाह ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा और कहा कि केजरीवाल जो वादे करते हैं, वो पूरे नहीं करते। बीजेपी जितने भी चुनाव में वादे किए उनको पूरा किया है। बीजेपी ने सभी वर्गों को ध्यान में रखकर ये संकल्प पत्र तैयार किया है।

दिल्ली के बजट को देखकर समझ कर ये संकल्प पत्र जारी किया है। केजरीवाल वादे करते हैं लेकिन पूरे नहीं करते और मासूम सा चेहरा लेकर आ जाते हैं।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो से मिले पीएम मोदी, बोले...

हमारा सहयोग और मजबूत होगा

● हैदराबाद हाउस में गर्मजोशी से हाथ मिलाया, राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत
● इंडोनेशिया के बीच कई क्षेत्रों में हुआ करार

"इंडोनेशिया भारत को बहुत अच्छा दोस्त मानता है। भारत उन पहले देशों में से एक था, शायद पहला देश जिसने हमारी स्वतंत्रता को मान्यता दी, स्वतंत्रता के लिए हमारे संघर्ष में हमारा समर्थन किया, हम कभी नहीं भूलेंगे कि भारत ने हमारी मदद के लिए क्या किया।

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए हमने विनिर्माण और आपूर्ति में मिलकर काम करने का फैसला किया है। गणतंत्र दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत पहुंच चुके हैं। गुरुवार की रात को वे नई दिल्ली पहुंचे। जहां एयरपोर्ट पर विदेश राज्य मंत्री पावित्रा मार्गेरिटा ने उनका स्वागत किया। प्रबोवो सुबियांतो गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेने वाले इंडोनेशिया के चौथे राष्ट्रपति हैं। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो की मौजूदगी में दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान हुआ। पीएम मोदी ने किया इंडोनेशिया के राष्ट्रपति का स्वागत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ष्भारत के पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया मुख्य अतिथि देश था और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया एक बार फिर इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा है। मैं भारत में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो का स्वागत करता हूं।ष उन्होंने आगे कहा, ष्2018 में मेरी इंडोनेशिया यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में आगे बढ़ाया। आज राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ आपसी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए हमने विनिर्माण और आपूर्ति में मिलकर काम करने का फैसला किया है। हमने समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद–निरोध और डी–रेडिकलाइजेशन में सहयोग पर भी जोर दिया।ष पीएम मोदी ने आगे कहा, ष्समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में आज हस्ताक्षरित समझौता अपराध की रोकथाम, खोज एवं बचाव और क्षमता निर्माण में हमारे सहयोग को और मजबूत करेगा।

कंगना की 'इमरजेंसी' में ऐतिहासिक अशुद्धियां

कंगना रनौत की इमरजेंसी सिर्फ एक खराब फिल्म नहीं है, यह ऐतिहासिक अशुद्धियों से भी भरी है। रनौत ने अपने निर्देशन की पहली फिल्म में जिस तरह की बचकानी त्रुटियों को पेश किया है, उस पर कोई भी मशहूर निर्देशक नाराज हो जाएगा। लेकिन सत्य–पश्चात की दुनिया में, तथ्यों का कोई महत्व नहीं रह जाता। एक बड़ी गलती आपातकाल पर बेस्टसेलर लिखने वाले एक जाने–माने वरिष्ठ संपादक की गिरफ्तारी से जुड़ी है। गिरफ्तार किए गए पत्रकार स्वर्गीय कुलदीप नैय्यर थे, जो उस समय कोलकाता स्थित एक अखबार के दिल्ली संस्करण के संपादक थे। उनकी गिरफ्तारी आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार द्वारा मीडिया पर किया गया सबसे बड़ा हमला था। फिर भी, रनौत ने गलती से उन्हें निखिल चक्रवर्ती के रूप में पहचान लिया, जो एक प्रमुख वामपंथी प्रकाशन के जाने–माने संपादक थे और निश्चित रूप से ऐसे व्यक्ति नहीं थे, जिन्हें कुलदीप नैय्यर के रूप में समझा जा सके।

मीडिया जगत इस बात से हैरान है कि उन्होंने यह बड़ी गलती कैसे कर दी। आपातकाल हटने के बाद नैय्यर जेल से बाहर आए और उन्होंने भारतीय इतिहास के इस काले दौर पर एक सबसे चर्चित किताब लिखी। इसका नाम था द जजमेंटरू इनसाइड स्टोरी ऑफ द इमरजेंसी इन इंडिया। यह एक ऐसी पुस्तक है जो देश के प्रत्येक पुस्तकालय की शेल्फ पर है और आपातकाल के समय के ऐतिहासिक विवरणों के लिए एक संदर्भ बिंदु बन गई है। रनौत ने अपने विवरण में दावा किया है कि उनके संदर्भ सामग्रियों में से एक हाल ही में आपातकाल पर एक प्रसिद्ध स्तंभकार द्वारा लिखी गई पुस्तक थी, जिसमें उन्होंने उस समय अपने पत्रकार पति की गिरफ्तारी से उपजे व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में लिखा था। यह स्तंभकार की पुस्तक का अपमान है कि गलत तथ्यों वाली फिल्म यह दावा करे कि उसने इसे संदर्भ सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया है।

इन दिनों दिल्ली के करोल बाग में 64 साल पुरानी एक छोटी सी दुकान, शहर के नेताओं के लिए एक गंतव्य बन गई है, जो अच्छी तरह से सिले हुए डिजाइनर कुर्ता पायजामा और जवाहर जैकेट की तलाश करते हैं। जाहिर है, यह दुकान राजनेताओं के लिए गणतंत्र दिवस समारोह आदि जैसे औपचारिक अवसरों पर पहनने के लिए सर्वोत्तम कुर्ता और जैकेट सेट बनाने के लिए जानी जाती है। मौजूदा भीड़ दिल्ली में अगली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए कुर्ता–जैकेट सेट के लिए है। नतीजे 8 फरवरी को ही घोषित किए जाएंगे लेकिन नेता हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहते हैं। दुकान में एक सेट तैयार करने में एक सप्ताह का समय लगता है और ऑर्डरों की अधिकता के कारण प्रतीक्षा अवधि भी लंबी होती जा रही है। लेकिन दिल्ली के नेता नींद में नहीं रहना चाहते। चाहे चुनाव हार जाएं या जीत जाएं। भले मंत्री न बन पाएं, कम से कम उनके पास एक डिजाइनर कुर्ता–जैकेट तो होगा।

हालांकि बिहार विधानसभा चुनाव में अभी छह महीने से अधिक का समय बाकी है, लेकिन भाजपा नीत एनडीए में सीटों को लेकर सौदेबाजी अभी से शुरू हो गई है। सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के लिए 40 सीटों की मांग की है। हाल ही में बिहार में एक सार्वजनिक सभा में उन्होंने भाजपा और जद(यू) पर उनकी पार्टी को उचित हिस्सा नहीं देने का आरोप लगाया और मोदी सरकार से इस्तीफा देने की धमकी दी, जिसमें वे मंत्री हैं। उनकी धमकी ने खलबली मचा दी है। वैसे तो वे लोकसभा में अपनी पार्टी के इकलौते सांसद हैं और बिहार विधानसभा में उनके सिर्फ चार विधायक हैं, लेकिन वे अपने राज्य में प्रभावशाली मुसहर दलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए वे एनडीए के लिए एक अहम सहयोगी हैं। स्पष्ट रूप से वह इस बात से परेशान हैं कि राज्य के एक अन्य दलित नेता चिराग पासवान सुर्खियों में हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीब आ गए हैं। राज्य में चुनाव नजदीक आने और सीट बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही भाजपा को दोनों दलित नेताओं की प्रतिस्पर्धी मांगों को ध्यान में रखते हुए काम करना होगा।

ऐसा लगता है कि जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इस धारणा को खारिज करना चाहते हैं कि वह भाजपा के साथ तालमेल बिठा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने भाजपा नेता हिना शफी भट को राज्य के खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड से हटा दिया। भट की नियुक्ति पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की थी। हालांकि वह विधानसभा चुनाव हार गई थीं, इसके बावजूद वह भाजपा के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वह शायद घाटी में पार्टी का एकमात्र प्रमुख मुस्लिम महिला चेहरा हैं। इसलिए खादी बोर्ड से उनका हटाया जाना भाजपा के लिए झटका है। राज्य के राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि अब्दुल्ला खुद को भाजपा से दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें मोदी सरकार के बहुत करीब जाते देखा गया था। कांग्रेस की आलोचना करने वाले और इंडिया गठबंधन को समाप्त करने का सुझाव देने वाले उनके हालिया बयानों को भाजपा की तरफदारी करने के प्रयास के रूप में देखा गया। अब्दुल्ला को शायद जमीनी स्तर पर जनता के गुस्से का अहसास हो रहा है, यही वजह है कि अब उन्हें संतुलन को दुरुस्त करना है।

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

ललित गर्ग

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत– विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ–साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचौनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व–चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व–पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी–तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा–शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन–व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना

चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति–नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त–मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़–संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा–दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व–संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार–चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य– ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा–नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

धार्मिक स्थलों को भव्य रूप ही नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सीमाओं की सुरक्षा भी बेखूबी हो रही है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछाया जा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बनाये जा रहे हैं, उन्नत सड़कों का जाल बिछ रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दिये जा रहे हैं, रोजगार, पर्यावरण–सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी हो रही है। मतलब वर्तमान शासन–नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व–संस्कृति, स्व–पहचान के दीपक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, नया आश्वास, नया विकास एवं सुखद जीवनशैली दे रही है।

भारत के संवैधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 76वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, नक्सलवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल रही है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत–सशक्त भारत–विकसित भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

आत्मनिर्भरता को मजबूत करते हुए चीन के साथ भारत के सम्बंध

प्रियंका सौरभ

भारत गैर–प्रतिस्थापनीय आयातों के लिए चुनिंदा व्यापार सम्बंधों को बनाए रखते हुए महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के लिए, सेमीकंडक्टर के लिए पीएलआई योजना माइक्रोन टेक्नोलॉजी जैसी वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रही है, जबकि भारत घरेलू क्षमता बढ़ने तक चीन से उन्नत सिलिकॉन वेफर्स का आयात जारी रखता है। इसी तरह, टैरिफ वृद्धि और स्थानीय विनिर्माण द्वारा समर्थित भारत के खिलौना उद्योग ने चीन से आयात कम कर दिया। हरित ऊर्जा में सहयोग, विविध भागीदाररू भारत साझा चिंताओं को दूर करने के लिए ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय जलवायु मंचों पर चीन के साथ जुड़ सकता है, जबकि विविध देशों से नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त कर सकता है। भारत ने इंडो–जर्मन ग्रीन हाइड्रोजन टास्क फोर्स के माध्यम से हरित हाइड्रोजन विकास में जर्मनी के साथ भागीदारी की, जबकि जापान के साथ सौर बैटरी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर भी बातचीत की। इस बीच, भारत घरेलू नवीकरणीय उद्योगों में क्षमता निर्माण के लिए पवन टर्बाइनों में चीन की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकता है।

महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए स्वदेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए ईवी विनिर्माण जैसे गैर–संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी फर्मों के साथ साझेदारी को प्रोत्साहित करें। उदाहरण के लिए, चीन की इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख कंपनी बीवाईडी भारत में विनिर्माण कार्य शुरू करने के लिए उत्सुक है, जैसे ही 'सभी कारक' 'आगे बढ़ने' का संकेत देते हैं और योजना निरंतर मूल्यांकन के अधीन है। भारत कूटनीतिक जुड़ाव जारी रखते हुए चीन की मुखर उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए सीमा पर बुनियादी ढाँचा विकसित कर सकता है। उदाहरण के लिए, भारत के (सीमा सड़क संगठन) ने लद्दाख तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए अटल सुरंग को पूरा किया, जबकि दिसम्बर 2024 में भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों की 23वीं बैठक के माध्यम से कूटनीतिक प्रयासों ने कुछ क्षेत्रों में तनाव कम किया। भारत साझा विकास लक्ष्यों के लिए एआईआईबी और एससीओ जैसे प्लेटफॉर्म का लाभ उठा सकता है जबकि क्वाड जैसी साझेदारी के माध्यम से चीन के प्रभाव को संतुलित कर सकता है। उदाहरण के लिए, एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद–रोधी ढांचे में भारत की सक्रिय भागीदारी आतंकवाद–रोधी सहयोग सुनिश्चित करती है, जबकि साथ ही सेमीकंडक्टर और दुर्लभ पृथ्वी के स्रोत में विविधता लाने के लिए क्वाड की आपूर्ति शृंखला लचीलापन पहल का उपयोग करती है।

प्रौद्योगिकी सहयोग, स्वदेशी नवाचाररू भारत कृषि के लिए एआई जैसे कम संवेदनशील क्षेत्रों में चीन के साथ सहयोग कर सकता है, जबकि महत्त्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। उदाहरण के लिए, भारत भारतनेट और चंद्रयान मिशन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से 5जी और उपग्रह तकनीक में घरेलू प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, सटीक खेती एआई में चीन की विशेषज्ञता का लाभ उठा सकता है। भारत चीन के साथ आर्थिक जुड़ाव बनाए रखते हुए आसियान, दक्षिण कोरिया और अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार साझेदारी को गहरा करके चीनी आयात पर अपनी निर्भरता कम कर सकता है। उदाहरण के लिए, भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी ने वियतनाम के साथ मजबूत व्यापार सम्बंधों को बढ़ावा दिया, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और रसायनों में, जिससे चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता कम हुई। भारत क्वाड नौसैनिक अभ्यास के माध्यम से नौसैनिक गठबंधनों को मजबूत कर सकता है, जबकि हिंद महासागर में तनाव को रोकने के लिए कूटनीतिक रूप से चीन से जुड़ सकता है। उदाहरण के लिए, भारत ने अंतर–संचालन को बढ़ाने के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मालाबार 2023 अभ्यास किया।

जबकि, भारत की सागरमाला परियोजना हंबनटोटा जैसे समुद्र में चीनी प्रभाव को संतुलित करने के लिए रणनीतिक भारतीय बंदरगाहों के विकास को सुनिश्चित करती है। भारत चीन के आपूर्ति शृंखला प्रभुत्व का मुकाबला करने के लिए बांग्लादेश, नेपाल और अफ्रीकी देशों जैसे पड़ोसी देशों में क्षेत्रीय विनिर्माण केंद्र विकसित करने में रणनीतिक रूप से निवेश कर सकता है। औद्योगिक पार्कों का निर्माण करके और इन क्षेत्रों में परिचालन का विस्तार करने के लिए भारतीय फर्मों को प्रोत्साहित करके, भारत वैकल्पिक आपूर्ति शृंखलाएँ बना सकता है। उदाहरण के लिए, भारत कपड़ा विनिर्माण के लिए इथियोपिया के साथ साझेदारी कर सकता है, जिससे निर्भरता में विविधता आएगी और भू–राजनीतिक सद्भावना बनेगी। भारत क्षेत्रीय स्थिरता का प्रबंधन करने के लिए चीन के साथ कूटनीतिक चर्चा करते हुए नागरिक और सैन्य दोनों जरूरतों को पूरा करने के लिए पूर्वोत्तर और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचा विकसित कर सकता है। उदाहरण के लिए, रसद के लिए पोर्ट ब्लेयर की क्षमता का विस्तार संघर्ष को बढ़ाए बिना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को दर्शाता है।

यह चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति का मुकाबला करते हुए इंडो–पैसिफिक में आपूर्ति शृंखला कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित करता है। भारत चीन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण होने वाले अल्पकालिक व्यवधानों को कम करने के लिए दुर्लभ पृथ्वी खनिजों, एपीआई और अर्धचालकों जैसे महत्त्वपूर्ण आयातों के रणनीतिक भंडार बना सकता है। उदाहरण के लिए, भारत लिथियम के लिए ऑस्ट्रेलिया और चिली के साथ साझेदारी स्थापित कर सकता है, ईवी विनिर्माण जैसे उद्योगों का समर्थन करने के लिए भंडार बना सकता है। यह भू–राजनीतिक तनावों के दौरान घबराहट से प्रेरित निर्भरता को कम करते हुए आपूर्ति शृंखला लचीलापन सुनिश्चित करता है। कपड़ा और खिलौने जैसे क्षेत्रों में सस्ते चीनी आयात का मुकाबला करने के लिए, भारत ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडिंग के साथ उन्हें एकीकृत करके पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित कर सकता है। उदाहरण के लिए, " एक जिला, एक उत्पाद जैसी योजनाओं के तहत उत्पादों का निर्यात करते हुए अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म के साथ साझेदारी करके पोचमपल्ली रेशम, बनारसी साड़ियों और भारतीय लकड़ी के खिलौनों की वैश्विक स्तर पर पहुँच बढ़ाई जा सकती है। यह भारत के एम्एसमीई पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देते हुए कम तकनीक वाले क्षेत्रों में चीनी आयात पर निर्भरता को कम करता है।

भारत–चीन सम्बंध अभिसरण और घर्षण दोनों से चिह्नित हैं, जिसके लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जबकि व्यापार, जलवायु कार्यवाही और बहुपक्षीय सहयोग जैसे क्षेत्र अवसर प्रदान करते हैं, सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन और भू–राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता जैसी चुनौतियाँ बनी रहती हैं। भारत को आत्मनिर्भरता और आपूर्ति शृंखला विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतिक सावधानी के साथ जुड़ाव को संतुलित करना चाहिए। गठबंधनों को मजबूत करना, घरेलू नवाचार को बढ़ावा देना और आर्थिक लचीलेपन को बढ़ावा देना महत्त्वपूर्ण है। एक व्यावहारिक और बहुआयामी रणनीति अपनाकर, भारत क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए अपने हितों की रक्षा कर सकता है।

गणतंत्र दिवस : स्वर्णिम भारत का पर्याय है सांस्कृतिक विरासत

डॉ. शंकर सुवन सिंह

भारत में वर्ष 2025 में 76 वाँ गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे हो गए। गणतंत्र दिवस 2025 की थीमध्प्रसंग है– ष्वर्णिम भारत–विरासत और विकासष्। गणतंत्र दिवस 2025 के मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो को चुना गया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किया गया था। इसे 22 जनवरी 1947 को स्वीकार किया गया था। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाया गया। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में हमारे देश का संविधान लिखा गया। जिसे लिखने में पूरे 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे। 26 जनवरी 1950 में भारतीय संविधान को लागू किये जाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 ई. को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है। गण और तंत्र। वैदिक काल में गण का शाब्दिक अर्थ था दलध्समूहध्लोक। तंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है डोराध्सूत (रस्सी)। अर्थात ऐसी रस्सीध्डोरा, जो लोगों के समूह को जोड़े। लोकतंत्र कहलाता है और यही गणतंत्र है। अतएव हम कह सकते हैं कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को लागू किये जाने का द्योतक है। संविधान की प्रस्तावना में ष्समाजवादीष्, ष्धर्मनिरपेक्षष् और ष्अखंडताष् शब्द बाद में भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा भारतीय आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे। भारत में आपातकाल (25 जून 1975 – 21 मार्च 1977) के दौरान, इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान के बयालीसवें संशोधन में कई बदलाव किए थे। इसी संशोधन के जरिए ष्समाजवादीष् और ष्धर्मनिरपेक्षष् शब्दों को ष्संप्रभुष् और ष्लोकतांत्रिकष् शब्दों के बीच जोड़ा गया और ष्राष्ट्र की एकताष् शब्दों को ष्राष्ट्र की एकता और अखंडताष् में बदल दिया गया। भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है। अतएव भारत में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक दृष्टि से स्वावलम्बन, स्वाभिमानता और समानता परिलक्षित होती है। स्वावलम्बिता, स्वाभिमानिता और समानता के मूल में स्वाधीनता वास करती है। अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, विचारों की स्वतन्त्रता, विश्वास की स्वतन्त्रता, आस्था और पूजा की स्वतन्त्रता स्वतंत्र भारत की पहचान है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत और विकास की सेतु पर खड़ा सविधान ही भारतीय गणतंत्र व्यवस्था की पहचान है। आत्मविश्वास का होना ही आपको आत्मनिर्भर बनाता है। भगवद गीता में लिखा है नायं आत्मा बलहीनेन लभ्यः अर्थात यह आत्मा बलहीनो को नहीं प्राप्त होती है। आत्मबल ही आत्मविश्वास की जननी है। आत्मबल और आत्मनिर्भर शब्द एक दूसरे के पूरक हैं। आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बी होने को दर्शाता है। स्वावलम्बन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलम्बी अवश्य होना चाहिए। रामराज्य की परिकल्पना मोहनदास करमचंद गांधी की दी हुई थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के पश्चात ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी जी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था। स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन–आवश्यकताओं तथा जन–आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाया। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। आत्मनिर्भरता या स्वावलम्बिता स्वतंत्र होने की एक कड़ी है। जब हम स्वतंत्र होंगे तभी हम स्वाभिमानी होंगे अर्थात स्वाभिमानिता के लिए स्वाधीनता जरुरी है। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राम राज्य भगवान राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान राम सहिष्णुता के प्रतीक थे। राम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान् राम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीँ दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है।

यदि स्वावलम्बन, समानता और स्वाभिमान की बात करनी हो तो गांधी के रामराज्य की कल्पना करनी होगी। अतएव हम कह सकते हैं कि स्वतन्त्रता, गांधी के रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित होनी चाहिए। सभी राजनैतिक पार्टियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों को आत्मसात करने की जरुरत है। वास्तव में भारत तभी स्वावलम्बी और स्वाभिमानी बन पाएगा। भारत को रामराज्य की परिकल्पना अपने पूर्वजों या पुरखों से विरासत में मिली हैं। रामराज्य की परिकल्पना रूपी विरासत को संजोकर रखने की जरुरत है। अयोध्या का राम मंदिर अपनी सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय उदाहरण है। भगवान् राम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर को पुनर्जीवित करना ही अपनी विरासत को सम्हालने का एक अच्छा उदहारण है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस पुण्य कार्य का श्रेय जाता है। किसी भी देश की विरासत उस देश के विकास की आधारशिला होती है। पुरखों से प्राप्त वस्तु, सम्पत्ति आदि को विरासत कहा जाता है। पूर्वजों द्वारा प्राप्त की गई वस्तु या संपत्ति आदि को ही विरासत कहा जाता है। विश्व में भारत अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक दृष्टिकोण से स्वर्णिम स्थान रखता है। भारत विविध धर्मों, जातियों, भाषाओं,और संस्कृतियों का देश रहा है। भारत में मुख्यतः निम्नलिखित विरासतें हैंरू–1.सांस्कृतिक विरासत 2.प्राकृतिक विरासत 3. मिश्रित विरासत।

सांस्कृतिक विरासत दो प्रकार की होती है– मूर्त संस्कृति और अमूर्त संस्कृति। सांस्कृतिक विरासत में मूर्त संस्कृति जैसे इमारतें, स्मारक, परिदृश्य, अभिलेखीय सामग्री, किताबें, कला के कार्य और कलाकृतियाँ आदि आते हैं। अमूर्त संस्कृति जैसे लोकगीत, परंपराएँ, भाषा और ज्ञान) और प्राकृतिक विरासत (सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण परिदृश्य और जैव विविधता सहित) शामिल हैं। मिश्रित विरासत स्थलों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के महत्त्वपूर्ण तत्त्व शामिल होते हैं। भारत में 43 यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित स्थान शामिल हैं। भारत में यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा अनुरक्षित मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में 15 अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घटक शामिल हैं। इन धरोहर स्थलों से विदित होता है कि भारत ने विरासत में अपने पूर्वजों से और प्रकृति से स्वर्णिम धरोहर प्राप्त किये। भारत में रामायण (बाल्मीकि), महाभारत व भगवद गीता (वेद व्यास), मनु स्मृति (ऋषि मनु),अभिज्ञान शाकुंतलम (कालिदास), रामचरित मानस (तुलसीदास),आदि असंख्य ग्रंथों की रचना ऋषि मुनियों ने की। वेद, पुराण, उपनिषद और दर्शन आदि ये सभी भारतीय विरासत के अभिन्न अंग हैं। वेदों से ही चौथा वेद अथर्वेद आया। आज विश्व में आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में स्वर्णिम भारत की छवि को विश्व पटल पर रख चूका है। महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योग दर्शन से ही आज विश्व प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की ही देन है जिसकी वजह से 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया।

भारत ऋषि मुनियों और देवताओं की भूमि रही है जहां राजा हरिश्चंद्र (सतयुग), भगवान् राम (त्रेता युग), भगवान् कृष्ण (द्वापर युग) आए। श्रीमद्भागवत पुराण में भगवान के 22 अवतारों का वर्णन है, वहीं कुछ धर्मशास्त्रों में 24 अवतार भी बतलाए गए हैं, जिनमें से "दशावतार" (दस अवतार) प्रमुख हैं, गरुड़ पुराण में दशावतार का वर्णन है। वे हैं– मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध और कल्कि अवतार। भगवान् के ये सारे अवतार भारत भूमि को स्वर्णिम बनाते हैं। इन ऋषि मुनियों और देवताओं से विरासत के रूप में प्राप्त संस्कार भारत की संस्कृति को विश्व में स्वर्णिम या अद्वितीय बनाते हैं। यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा वर्ष 2017 में कुम्भ मेला को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की श्रेणी में शामिल कर लिया गया था। जो भारत के लिए अपूर्व गर्व का दिन था। वर्ष 2025 में प्रयागराज जिले में 144 वर्षों बाद लगा महाकुम्भ–2025 (धार्मिक समागम), सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय स्रोत है। इस बार महाकुंभ मेला 13 जनवरी से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिला में आयोजित किया गया, जो 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन समाप्त होगा। प्रयाग में तीन नदियों का संगम है– गंगा, यमुना और सरस्वती। महाकुम्भ के मुख्य स्नान पर्व पर किया गया स्नानअत्यंत पुण्य फल की प्राप्ति देता है। कहते हैं इस समय किया गया स्नान मोक्ष दायनी होता है। महाकुम्भ के समय हिन्दू देवी देवता सभी किसी न किसी रूप में मिल जाते हैं। इस समय बड़े बड़े चमत्कारी साधू संत अपना प्रवास करते हैं। इनका आशीर्वाद मतलब देवताओं का आशीर्वाद होता है। महाकुंभ मेला हर 12 वर्षों में चार पवित्र स्थलोंद्व प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, और नासिक में आयोजित होता है।

मौनी अमावस्या और गणतंत्र दिवस को लेकर चेकिंग अभियान तेज

चित्रकूट। भगवान राम की तपोभूमि धर्मनगरी चित्रकूट में मौनी अमावस्या और गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस प्रशासन सुरक्षा को देखते हुए सतर्क हो गया है। बाहर से आने वालों के साथ ही संदिग्धों पर विशेष नजर रखी जा रही है। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशनों व भीड़ वाले इलाकों में चौकसी बढ़ाई गई है। पुलिस टीमों ने चेकिंग अभियान भी तेज कर दिया है। आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दौरान धर्मनगरी चित्रकूट में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। धर्मनगरी में मौनी अमावस्या पर मंदाकिनी स्नान के साथ भगवान कामदनाथ के दर्शन व परिक्रमा लगाने का विशेष महत्व माना जाता है। प्रयागराज महाकुंभ में अमृत स्नान का पर्व भी है। फलस्वरुप प्रयागराज से भी स्नान के बाद काफी श्रद्धालु धर्मनगरी आएंगे। इधर रविवार को गणतंत्र दिवस का धूमधाम के साथ पर्व मनाया जाना है। इन दोनो अवसरों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने चौकसी बढ़ाई है। शनिवार की देर रात सीओ एलआईयू अजेय कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक एलआईयू नागेन्द्र भूषण पांडेय ने डॉग स्क्वायड, एलआईयू व कोतवाली कर्वी पुलिस के साथ भीड़ वाले स्थानों रेलवे स्टेशन, ट्रेनों, बस अड्डा, मॉल, ढाबा, सराय आदि जगहों पर संदिग्ध वाहनों व लोगों की सघन चेकिंग किया। इसी तरह जिले की सीमा पर बनाए गए बैरियरों में वाहनों की चेकिंग बारीकी से की जा रही है।

आप सभी नगर वासियों को २६ जनवरी २०२५ की हार्दिक शुभकामनाए

उमेश चन्द्र द्विवेदी
महामंत्री
राष्ट्रीय रामायण मेला श्रंङ्गवेश्पुर धाम प्रयागराज उ0प्र0

आप सभी नगर वासियों को २६ जनवरी २०२५ की हार्दिक शुभकामनाए

डॉ शमसुस्सलाम कुद्दूसी
पूर्व चेयरमैन नगर पंचायत लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को २६ जनवरी २०२५ की हार्दिक शुभकामनाए

गुरुप्रसाद मौर्य
विधायक 254 फाफामऊ

डॉ राज कुशवाहा
मण्डल अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी
एवम प्रबंधक निर्देशक कन्सेप्ट कन्वेंट स्कूल एण्ड कालेज सम्राट अशोक नगर लाल गोपालगंज प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को 26 जनवरी 2025 की शुभकामनाए

मिश्रा डेन्टल क्लीनिक
निकट पुलिस चौकी, लालगोपालगंज, प्रयागराज

डॉ.हिमांशु मिश्र
(B.D.S.M.I.D.A)
मिलने का समयः सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक
डिजिटल एक्सरे की सुविधा उपलब्ध है।
दिन सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार

गुप्ता ऑप्टिकल्स
मेहता रोड, भरवारी, कौशाम्बी
दिनः रविवार एवं बुधवार
रविवार सुबह 10 से शाम 4 बजे तक

आप सभी नगर वासियों को २६ जनवरी २०२५ की शुभकामनाए

जितेंद्र सरोज
पुत्र सियाराम सरोज, अध्यक्ष प्रधान संघ ब्लाक श्रृंगवेरपुरधाम

श्रीमती सुनंदा देवी
पूर्व सदस्य जिला पंचायत प्रयागराज प्रबंधक के डी आर पी विद्यालय पटना उपहार सभी समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतत्र दिवस की शुभकामनाए

आप सभी नगर वासियों को 26 जनवरी 2025 की शुभकामनाए

संजय तिवारी
अध्यक्ष श्रगवेरपुर महोत्सव जय श्री राम सेवा समिति श्रगवेरपुर प्रयागराज उत्तर प्रदेश
राष्टीय कार्यकारिणी अध्यक्ष हिंदू युवा क्रांतिकारी संघ प्रयागराज अध्यक्ष ट्रस्टी मुख्य न्यासी शनिदेव सेवाश्रम सिद्व पीठ ट्रस्ट शिव रतन सिंह का पूरवा बिजलीपुर श्रगवेरपुर प्रयागराज सचिव श्री सीताराम सेवा संस्थान गऊघाट श्रगवेरपुर प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को 26 जनवरी 2025 की हार्दिक शुभकामनाए

आप सभी नगर वासियों को 26 जनवरी 2025 की हार्दिक शुभकामनाए

कृष्ण कुमार
(वरिष्ठ लिपिक)
नगर पंचायत लालगोपालगंज– प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को 26 जनवरी 2025 की शुभकामनाए

प्रदीप कुमार केसरवानी
कोटेदार–नगर पंचायत, लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

श्रीमती बचान देवी इंटर कॉलेज
चौनी का पुरवा
लालगोपालगंज प्रयागराज

श्री राम किशोर यादव
प्रबंधक
संचालक–श्री रामबाबू सर

आप सभी नगर वासियों को २६ जनवरी २०२५ की हार्दिक शुभकामनाए

मारुति नंदन तिवारी
चौकी प्रभारी शृंगवेरपुरधाम थाना नवाबगंज प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को २६ जनवरी २०२५ की हार्दिक शुभकामनाए

विपिन कुमार
चौकी प्रभारी
लाल गोपालगंज थाना नवाबगंज जनपद प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाए

मो शोएब सभासद
नगर पंचायत लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाए

राहुल कुमार अग्रवाल 'लोकप्रिय'

वरिष्ठ समाज सेवी, पूर्व सभासद नगर पंचायत लालगोपालगंज प्रयागराज

डॉ ज्ञानार्जन अग्रवंशी

फोटिस अस्पताल नई दिल्ली
नगर पंचायत लालगोपालगंज प्रयागराज

महाकुंभ में झारखंड से लाकर जाली नोट खपाने की कोशिश

प्रयागराज। मेले में झारखंड के तीन युवकों ने नकली नोट खपाने की कोशिश की। इनमें से एक तो पकड़ लिया गया, लेकिन उसके दो साथी भाग निकले। पकड़े गए युवक के कब्जे से दो जाली आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। घटना सेक्टर–6 में नागवासुकि मंदिर के पास हुई। हाथरस के मुरसान कोतवाली के नई बस्ती निवासी गोपाल शर्मा नागवासुकी मंदिर के पास सेक्टर–6 में प्रसाद की दुकान चलाते हैं। उनके दो कर्मचारी धोनी व राहुल बैठते हैं। उन्होंने बताया कि दोपहर 12 से 1रू00 के बीच दुकान पर तीन युवक आए। इनमें से एक ने धोनी, जबकि दूसरे ने राहुल को 500 का नोट थमाया और 50 रुपये का सामान लेकर 450 वापस ले लिए। इसी दौरान तीसरे ने 500 का एक नोट उन्हें थमाया और 50 का सामान मांगा। नोट देखकर उन्हें इसके जाली होने का शक हुआ। इस पर जैसे ही उन्होंने उसे युवक से पूछताछ शुरू की तो तीनों भागने लगे। इस दौरान कर्मचारियों की सहयोग से एक युवक को पकड़ लिया गया। उसने अपना नाम अकबर सेठ निवासी अमानत (पलास गाछी) थाना लदा लगोर जिला साहेबगंज (झारखंड) बताया। यह भी बताया कि मौके से भाग निकलने वाले उसके साथियों में हलीम निवासी प्यारेपुर थाना लदा लगोर।

छत्र चंवर के साथ पहली बार नजर आई ममता कुलकर्णी, किन्नर अखाड़े ने बनाया है महामंडलेश्वर

प्रयागराज। किन्नर अखाड़े में संन्यास की दीक्षा लेने के बाद महामंडलेश्वर बनाई गईं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी का नया अंदाज सामने आया है। वह छत्र और चंवर के साथ नजर आईं। शुक्रवार को संगम के तट पर पिंडदान करने के बाद किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की मौजूदगी में उनका पट्टाभिषेक किया गया। गेरुवा वस्त्र और रुद्राक्ष का माला ममता ने धारण किया है। जानी मानी फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने कुंभनगरी में आकर संन्यास दीक्षा ली। दीक्षा के बाद उनका नाम बदलकर अब श्रीयामाई ममतानंद गिरि हो गया। संगम तट पर उनकी संन्यास दीक्षा हुई। शाम को किन्नर अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में उनका पट्टाभिषेक हुआ। हर–हर महादेव के जयकारों के साथ उनको अखाड़े में धर्मध्वजा के नीचे पट्टाभिषेक कराया गया। फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी बृहस्पतिवार को ही महाकुंभ नगरी पहुंच गई थीं। शुक्रवार सुबह सेक्टर–16 संगम लोवर मार्ग स्थित किन्नर अखाड़ा शिविर पहुंची। इसके बाद उनकी संन्यास दीक्षा क्रियाएं आरंभ हुईं। आचार्य पुरोहित की मौजूदगी में करीब दो घंटे तक संन्यास दीक्षा हुई। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर गर्गाचार्य मुचकुंद, पीठाधीश्वर स्वामी महेंद्रानंद गिरि समेत अन्य संतों की मौजूदगी में धार्मिक क्रियाएं हुईं। इसके बाद शाम को संगम तट पर पिंडदान हुआ। सलमान खान और शाहरुख खान की फिल्म 'करण अर्जुन (1995)' में ममता कुलकर्णी ने बिंदिया का किरदार निभाया था। इस फिल्म में ममता के हिस्से डांस सॉन्ग आए, जिसमें वह दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही हैं। इसी फिल्म में उन पर एक गाना 'गुप चुप गुप चुप' फिल्माया गया था, जो काफी हिट साबित हुआ। नाना पाटेकर की फिल्म 'तिरंगा (1992)' में भी ममता कुलकर्णी का रोल बहुत छोटा था लेकिन उन पर दर्शकों का ध्यान जरूर गया। उन्होंने फिल्म में हरीश क मंगेतर का रोल किया था। सैफ अली खान के अपोजिट फिल्म 'आशिक आवारा' में ममता नजर आईं। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी। फिल्म में ममता के किरदार का नाम ज्योति था। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी स्टारर फिल्म 'वक्त हमारा है (1993)' में ममता कुलकर्णी अक्षय कुमार के किरदार की गर्लफ्रेंड के रोल में नजर आईं। यह एक रोमांटिक, एक्शन–कॉमेडी फिल्म थी। फिल्म में वह अक्षय के साथ रोमांस और गानों में डांस करती हुईं ज्यादा दिखीं। ममता कुलकर्णी फिल्म 'क्रांति वीर (1994)' का भी हिस्सा थी, इसमें वह अतुल अग्निहोत्री की गर्लफ्रेंड के रोल में दिखीं। फिल्म में नाना पाटेकर और डिंपल कपाड़िया मुख्य भूमिकाओं में थे। वहीं फिल्म 'बाजी (1995)' में भी ममता कुलकर्णी आमिर खान के साथ नजर आईं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म 'सबसे बड़ा खिलाड़ी (1995)' में ममता कुलकर्णी अक्षय कुमार के साथ दिखीं।

मोरारी बापू बोले– मानस गंगा में गोता लगाने से जीवन का होता है उद्धार, सिद्धि का होता है लाभ

प्रयागराज। परमार्थ निकेतन में मानस कथा में मोरारी बापू ने कहा कि मानस, वेद, गीता–ग्रंथ सब यहीं पर रहेंगे। लेकिन, साधु चले जाएंगे। इसलिए उनके साथ बैठना ही महाकुंभ का वास्तविक प्रसाद है। उन्होंने कहा कि पद, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि पूज्य संतों के आशीर्वाद से ही प्राप्त होती है। गंगा जी में जितनी बार गोता लगाओ, उतना ही फायदा है। मानस गंगा में गोता लगाने से तो जीवन का उद्धार हो जाता है। उन्होंने कहा कि सिद्धि का लाभ होता है। लेकिन, शुभ तो विश्व कल्याण करता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बापू ने अहिल्या जी की दिव्य कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि रामायण विचारक और सुधारक दोनों को जन्म देती है। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि कन्या है तो कल है और गंगा है तो जल है। ये दोनों हमारे भारत के भविष्य और समग्र विश्व की पवित्रता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि हम कन्याओं को बचाने की दिशा में कदम नहीं उठाएंगे तो आने वाली पीढ़ियों को किस तरह से बचाएंगे। स्वामी ने कहा कि अब हमें प्रतिस्पर्धा की नहीं, श्रद्धा की आवश्यकता है। क्योंकि, केवल प्रतिस्पर्धा बिखराव पैदा करती है और श्रद्धा सहयोग को जन्म देती है। स्वामी चिदानंद सरस्वती और मोरारी बापू ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को रुद्राक्ष का पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर स्वामी संतोष दास (सतुआ बाबा), साध्वी भगवती सरस्वती रहीं।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन, समय में संशोधन एवं आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन।

भारतीय रेल द्वारा सम्मानित श्रद्धालुओं / रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन, समय में संशोधन एवं आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है :–

(1) गाड़ी संख्या 04117/04118 प्रयागराज–अयोध्या अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी (दैनिक)

04117 प्रयागराज–अयोध्या			04118 अयोध्या से प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	22:20	प्रयागराज जं.	10:15	—
22:34	22:36	प्रयाग	09:50	09:52
22:50	22:52	फाफामऊ जं.	09:35	09:37
23:12	23:14	मऊआइमा	08:30	08:32
23:40	23:45	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़	07:50	07:55
00:30	00:35	सुल्तानपुर	07:00	07:05
03:00	03:05	अयोध्या कैण्ट	05:33	05:38
03:30	—	अयोध्या धाम जं.	—	05:15

• प्रयागराज जं. से : गाड़ी संख्या 04117 दिनांक 25.01.25 से 28.02.25 तक
• अयोध्या धाम जं. से : गाड़ी संख्या 04118 दिनांक 26.01.25 से 01.03.25 तक

(2) गाड़ी संख्या 01821/01822 ग्वालियर–सूबेदारगंज अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी

01821 ग्वालियर–सूबेदारगंज			01822 सूबेदारगंज से ग्वालियर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	21:40	ग्वालियर	—	18:00
21:57	21:59	शनीचरा	16:25	16:27
22:10	22:12	मालनपुर	16:10	16:12
22:30	22:32	गोहद रोड	15:30	15:32
22:50	22:52	सोनी	15:13	15:15
23:30	23:35	भिण्ड	14:50	14:55
00:55	01:00	इटावा जं.	13:50	13:55
01:50	01:52	फफूँद	13:00	13:02
02:28	02:30	झींझक	12:33	12:35
03:55	03:57	रूरा	12:15	12:17
04:55	05:00	गोविन्दपुरी	11:30	11:35
06:00	06:05	फतेहपुर	09:50	09:55
—	08:00	सूबेदारगंज	—	08:30

• ग्वालियर से : गाड़ी संख्या 01821 दिनांक 27.01.2025 से 29.01.2025 तक
• सूबेदारगंज से : गाड़ी संख्या 01822 दिनांक 28.01.2025 से 30.01.2025 तक

(3) गाड़ी संख्या 09817/09818 कोटा–रीवा कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

09817 कोटा – रीवा			09818 रीवा – कोटा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	08:45	कोटा	09:45	—
14:30	14:35	आगरा फोर्ट	03:25	03:30
16:35	16:37	टूण्डला	02:25	02:30
17:50	17:52	इटावा जं.	00:01	00:03
20:10	20:15	गोविन्दपुरी	21:50	21:55
21:20	21:22	फतेहपुर	20:35	20:37
01:45	01:50	प्रयागराज जं.	18:30	18:35
04:50	04:52	मानिकपुर	15:53	15:55
07:30	—	रीवा	—	12:00

• कोटा से : गाड़ी संख्या 09817 दिनांक 07.02.25 एवं 22.02.25 • रीवा से : गाड़ी संख्या 09818 दिनांक 09.02.25 एवं 24.02.25

(4) पूर्व संचालित गाड़ी संख्या 04111/04112 एवं 04113/04114 प्रयागराज जं. – प्रयागराज जं. अनारक्षित रिंग रेल सेवा की अवधि को बढ़ाया गया है यह गाड़ी दिनांक 28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को भी चलेगी

(5) गाड़ी सं. 07382 टूण्डला–श्री. सि. स्वा. हुब्बल्लि कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी के समय में संशोधन

स्टेशन	संशोधित समय आगमन	संशोधित समय प्रस्थान	तिथि से प्रभावी
टूण्डला	—	17:10	09.02.2025 (रविवार)
इटावा	18:08	18:10	
गोविन्दपुरी	20:25	20:30	
फतेहपुर	21:30	21:32	
प्रयागराज	02:05	02:10	10.02.2025 (सोमवार)
श्री. सि. स्वा. हुब्बल्लि तक के समय में कोई परिवर्तन नहीं है।			
श्री. सि. स्वा. हुब्बल्लि	—	18:40	11.02.2025 (मंगलवार)

(6) रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

• गाड़ी संख्या 54101 प्रयागराज संगम–कानपुर अनवरगंज पैसेन्जर अपने प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि दिनांक 27.01.2025, 28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को प्रयागराज संगम के स्थान पर फाफामऊ जं. स्टेशन से समय 16:20 बजे चलेगी।

• गाड़ी संख्या 54102 कानपुर अनवरगंज–प्रयागराज संगम पैसेन्जर अपने प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि दिनांक 27.01.2025, 28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को प्रयागराज संगम के स्थान पर फाफामऊ जं. स्टेशन पर समय 08:40 बजे पहुँचेगी।

169/25 (C)

नोट : रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय–सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं० 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विभिन्न मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की व्यवस्था की गयी है। इसी क्रम में समय–सारणीबद्ध निम्न रिंग रेल सेवा सहित आरक्षित, अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त अन्य मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

दिनांक 26 व 27 जनवरी, 2025 (रवि. एवं सोम.) को चलने वाली अनारक्षित रिंग रेल सेवा मेला विशेष रेलगाड़ियाँ

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
04111	प्रयागराज जं.	06:00	प्रयागराज जं.	18:50	प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हण्डिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई, मड़ियाहू, ज़फराबाद, जौनपुर, शाहगंज, अकबरपुर, गोसाईगंज, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, मऊआइमा, फाफामऊ एवं प्रयाग
04112	प्रयागराज जं.	06:30	प्रयागराज जं.	21:00	
04113	प्रयागराज जं.	17:30	प्रयागराज जं.	07:45	
04114	प्रयागराज जं.	17:45	प्रयागराज जं.	08:00	
04109	गोविन्दपुरी	15:45	गोविन्दपुरी	07:00	बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी, शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, रागौल, भरूआ सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपुर एवं भीमसेन
04110	गोविन्दपुरी	07:30	गोविन्दपुरी	21:30	
01803	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	12:00	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	09:00	चिरगाँव, मोठ, एट, उरई, कालपी, पुखरायां, भीमसेन, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी एवं ओरछा
01804	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	20:10	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	16:30	

दिनांक 26 व 27 जनवरी, 2025 (रवि. एवं सोम.) को चलने वाली आरक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियाँ

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
02418	दिल्ली जं.	09:30	सूबेदारगंज	19:40	अलीगढ़, टूण्डला, इटावा, गोविन्दपुरी एवं फतेहपुर
03219	पटना	14:25	प्रयागराज	22:00	चुनार, मिर्ज़ापुर, विन्ध्याचल, माण्डा रोड, मेजा रोड एवं नैनी
03220	प्रयागराज	22:35	पटना	09:15	
03689	गया	02:20	प्रयागराज	10:10	
03690	प्रयागराज	11:00	गया	18:45	
01901	आगरा फोर्ट	06:31	सूबेदारगंज	14:00	यमुना ब्रिज, टूण्डला फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, इटावा, भरथना, फफूंद, झींझक, रूरा, पनकी धाम, कानपुर सेंट्रल एवं फतेहपुर
01902	सूबेदारगंज	14:30	आगरा फोर्ट	21:49	
03022	टूण्डला	11:20	हावड़ा	15:20	इटावा, गोविन्दपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज एवं मिर्ज़ापुर
09372	बलिया	23:45	डॉ. अम्बेडकर नगर	05:30	चुनार, मिर्ज़ापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविन्दपुरी, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी
07702	आज़मगढ़	19:45	गुंटूर	09:00	मिर्ज़ापुर, प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
09020	दानापुर	23:30	वलसाड	09:30	चुनार, मिर्ज़ापुर, प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
01034	मऊ	23:50	छत्र. शिवाजी महाराज टर्मि.	14:30	
09421	साबरमती	10:25	बनारस	14:45	आगरा फोर्ट, टूण्डला, इटावा, गोविन्दपुरी, फतेहपुर एवं प्रयागराज
03033	हावड़ा	00:30	भिण्ड	01:05	मिर्ज़ापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविन्दपुरी एवं इटावा

दिनांक 27 जनवरी, 2025 (सोमवार) को चलने वाली आरक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियाँ

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
05612	टूण्डला	03:00	कामाख्या	17:45	इटावा, गोविन्दुपरी, फतेहपुर, प्रयागराज एवं मिर्ज़ापुर
05812	टूण्डला	11:20	नाहरलगुन	05:50	
09422	बनारस	19:30	साबरमती	01:25	प्रयागराज, फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा, टूण्डला एवं आगरा फोर्ट
08252	बनारस	10:50	रायगढ़	05:25	चुनार, प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
03034	भिण्ड	03:30	हावड़ा	030:30	इटावा, गोविन्दपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज एवं मिर्ज़ापुर
07720	गया	14:15	गुंटूर	04:00	प्रयागराज छिवकी एवं मानिकपुर
07726	पटना	11:30	काचीगुडा	07:00	
07420	दानापुर	14:00	सिकंदराबाद	23:50	
07648	दानापुर	08:00	सिकंदराबाद	19:00	

नोट : रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं० 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 172/25 (ADM)

अनारक्षित मेला स्पेशल का संचालन एवं रिंग रेल सेवा का मार्ग परिवर्तन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये बीना-सूबेदारगंज अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी के संचालन एवं रिंग रेल का मार्ग परिवर्तन करने का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 01819/01820 बीना-सूबेदारगंज अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 01819 बीना - सूबेदारगंज			गाड़ी संख्या - 01820 सूबेदारगंज - बीना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	17:50	बीना	03:00	----
18:40	18:45	ललितपुर जं.	01:05	01:10
19:30	19:35	टीकमगढ़	22:10	22:15
20:25	20:27	खरगापुर	21:35	21:37
22:20	22:25	महाराजा छत्रसाल स्टे. छतरपुर	20:28	20:33
23:30	23:55	खजुराहो	19:35	19:50
01:13	01:15	महोबा जं.	18:28	18:30
02:30	02:50	खैरार जं.	17:10	17:30
03:23	03:25	रागौल	16:33	16:35
03:45	03:47	भरुआ सुमेरपुर	16:15	16:17
04:18	04:20	घाटमपुर	15:43	15:45
05:50	05:55	गोविन्दपुरी	14:50	14:55
06:45	06:47	बिन्दकी रोड	13:00	13:02
07:20	07:22	फतेहपुर	12:30	12:32
07:50	07:52	खागा	11:38	11:40
08:13	08:15	सिराथू	11:15	11:17
08:35	08:37	भरवारी	10:35	10:37
09:20	----	सूबेदारगंज	----	09:50

बीना से:- गाड़ी संख्या 01819, दिनांक 28.01.2025 से 31.01.2025, 02.02.2025 से 05.02.2025, 11.02.2025 से 14.02.2025 एवं 25.02.2025 से 28.02.2025 तक। **सूबेदारगंज से:-** गाड़ी संख्या 01820, दिनांक 29.01.2025 से 01.02.2025, 03.02.2025 से 06.02.2025, 12.02.2025 से 15.02.2025 एवं 26.02.2025 से 01.03.2025 तक।

रिंग रेल सेवा का मार्ग परिवर्तित

गाड़ी सं. 04109/04110 गोविन्दपुरी-प्रयागराज-गोविन्दपुरी एवं गाड़ी सं. 01803/01804 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-प्रयागराज-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी रिंग रेल सेवा प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारम्भ करने की तिथि 28.01.2025, 29.01.2025, 30.01.2025, 02.02.2025, 03.02.2025 एवं 04.02.2025 को गोविन्दपुरी-कानपुर लोको केबिन-चन्दारी के स्थान पर गोविन्दपुरी-कानपुर सेंट्रल-चन्दारी के रास्ते चलेगी।

नोट:- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं० 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 175/25 (A)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की सुनील कुमार सोनकर पुत्र सुरेश चन्द्र सोनकर 51बी/58, मोहल्ला हिम्मतगंज, पुरूषोत्तम नगर, प्रयागराज 200 वर्गफुट का मकान जिसकी चौहद्दी पूरब कन्हैयालाल का मकान, पश्चिमी 15 फीट रास्ता, उत्तर–सीताराम का मकान, दक्षिण–5 फीट गली के मालिक है जो कि यह सम्पत्ति ताराचन्द्र पुत्र छेदीलाल को बेच रहे हैं अगर किसी को आपत्ति हो तो वह 7 दिनों के अन्दर आपत्ति दर्ज करायें इसके पश्चात् किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा और न ही किसी न्यायालय में स्वीकार होगा।

सतीश मिश्रा
बैंक अधिकारी
M. 9109763899

सोमिल श्रीवास्तव
M. 9415485448

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

आप सभी नगर वासियों को 26 जनवरी 2025 की शुभकामनाए

ST. FRANCIS SCHOOL
BERUWA, KAUSHAMBI

Let us remember the golden heritage of our country and feel proud to be a part of India.

HAPPY REPUBLIC DAY

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062